APRIL 2017 TO MARCH 2018

दैनिक भास्कर

शुक्रवार 26 मई, 2017 | 18

जिला कृषि विज्ञान केंद्र में स्वच्छता अभियान 31 तक

कवर्धा | कृषि विज्ञान केंद्र कवर्धा द्वारा 16 से 31 मई तक स्वच्छता पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ... में ग्रामीणों को स्वच्छता का ... रैली निकालकर ... स्वच्छता का संदेश दिया।

कवर्धा हरिभूमि 17

कुलपति ने किया उत्पादन इकाई का लोकार्पण

कवर्धा हरिभूमि 15

पादप जीनोम संरक्षण कृषक सम्मान से किया सम्मानित

कृषक शिवकुमार किए गए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज >> कवर्धा

भारत सरकार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत पौध किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार अधिनियम 2001 के तहत कृषकों के द्वारा क खेती के पुरानी किस्मों के संरक्षण के लिए विभिन्न प्रयास किये जा रहे है, इसी क्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा विभिन्न अवसरों पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है।

जिले के प्रगतिशील कृषक शिवकुमार चंद्रवंशी ग्राम कोको ने कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं की जानकारी ली तथा इससे प्रेरित होकर अपने पास उपलब्ध बैगन की प्रजातियों जिन्हें वे वर्षों से संरक्षित करते आ रहे 42 बैगन की प्रजातियों का कृषि

विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के माध्यम से पंजीयन कराया। इन किस्मों का विधिवत पंजीयन होने उपरांत 19 अप्रैल 2017 को पूर्वी चंपारण, मोतीहारी बिहार में आयोजित किसान मेले में केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह भारत सरकार द्वारा पादप जिनोम संरक्षण कृषक सम्मान 2015 से सम्मानित किया गया जिसमें 1.00 लाख की राशि व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री चंद्रवंशी द्वारा प्रदाय इन किस्मों का उपयोग इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा बैगन के नवीन किस्मों के विकास के लिए किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि चंद्रवंशी को इसके पूर्व भी कई कृषक सम्मान पुरस्कार प्राप्त हो चुके है जिसमें वर्ष 2013 में वाईब्रेंट गुजरात कार्यक्रम में देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों भी सम्मानित हो चुके है। सम्मान प्राप्त करने बाद शिवकुमार चंद्रवंशी ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन, जिला प्रशासन, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीपी त्रिपाठी, वैज्ञानिक डॉ. नूतन रामटेके व कृषि व उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रिका

उन्नत किस्म के बीज और फसल सुरक्षा की जानकारी

नवभारत 3

डालाकापा में ग्रामीणों को पढ़ाया स्वच्छता का पाठ

अभियान

- कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मनाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

कवर्धा हरिभूमि 15

संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

कवर्धापत्रिका . 12

स्वच्छता पखवाड़ा

सफाई कर ग्रामीणों को दिया स्वच्छता का संदेश

नवभारत 5

रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

नवभारत

कोको में ग्रामीणों को दिया स्वच्छता का संदेश

नवभारत

कवर्धा-जिला

कृषक अधिकार संरक्षण पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बिलासपुर - रायपुर, रविवार 25 फरवरी, 2018 | 21

दैनिक भास्कर

ग्राम गोंगपुर व सोनपुर में समूह फसल प्रदर्शन पर मनाया प्रक्षेत्र दिवस

कवर्धा | कृषि विज्ञान केंद्र ने 23 फरवरी को ... लोहारा ब्लॉक के ग्राम गोंगपुर व सोनपुर में समूह फसल प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया। ... कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा व ... अखिल भारतीय समन्वित मृदा परीक्षण फसल अनुक्रिया ... परियोजना द्वारा किया गया था। ... ग्राम गोंगपुर एवं सोनपुर ... का प्रदर्शन किया गया है। ... मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ... मृदा संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी। ... ग्राम गोंगपुर एवं सोनपुर के किसान ...

कवर्धापत्रिका . 12

अभियान

गांव में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा, निकाली रैली

रैली निकालकर दिया संदेश

पत्रिका

कवर्धा, शुक्रवार 26 मई 2017

आयोजन

स्वच्छता पखवाड़ा मनाया

APRIL 2017 TO MARCH 2018

कवर्धापत्रिका 12

नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के दिए सुझाव

नवभारत 2 कवर्धा-जिला

www.navabharat.org

रायपुर, सोमवार 7 अगस्त 2017

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दी फसल बचाने की सलाह

■ नवभारत कार्यालय। कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जिले के धान उत्पादक कृषकों को सलाह दी गई है कि रोपा लगाने का काम 10 अगस्त तक तथा पर्याप्त पानी होने पर बियासी का काम 15 अगस्त तक पूर्ण करें, जहां कम वर्षा हुई है, पानी की कमी है वे किसान बियासी न करें एवं निंदा नियंत्रण हेतु निंदानाशक दवाओं का प्रयोग करें.

इसके लिए कृषक बिसपायरी बैक सोडियम 25 ग्राम सक्रिय तत्व 500 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के 20-25 दिन के अंदर छिड़काव करें, कम वर्षा वाले स्थानों में धान में कटुआ कीट लगने की संभावना है अतः कृषक निगरानी करें एवं सूखे खेत में कटुआ इल्ली का प्रकोप होने पर डाईक्लोरोवास 1 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर 200 ली. प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें.

जिन खेतों में पानी भर गया हो एवं कटुआ इल्ली दिखे वहां एक लीटर मिट्टी का तेल प्रति एकड़ की दर से पानी में डालकर पौधों के ऊपर रस्सी चलायें जिससे मिट्टी तेल युक्त पानी में मिल जाये. धान में झुलसा रोग आंख या नाव के आकार के धब्बे दिखने पर 120 ग्राम ट्राईसायक्लोजोल 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें. जहां पर वर्षा कम हुई हो वहां पर हल्की वर्षा पश्चात धान में 10 से 15 किलो यूरिया का छिड़काव करें. धान में जहां हरी काई का प्रकोप दिखे तो खेत में जहां पानी अंदर आता है वहां कापर सल्फेट (नीलाथोथा) को पोटली में बांधकर रखें. जिन स्थानों पर धान की बुआई नहीं की जा सकी है वहां पर कृषक मूंग, उड़द एवं तिल की फसल ले सकते है.

धान एवं सोयाबीन फसलों में यूरिया का 1 प्रतिशत घोल बनाकर स्प्रे करने पर फसलों को लाभ होगा. वैज्ञानिकों ने सोयाबीन किसानों को सलाह देते हुए कहा कि जिन स्थानों पर रिमझिम वर्षा अभी तक हो रही है वहां पत्ती खाने वाली इल्ली कलियां, फूल या नन्हीं फलियों पर भक्षण करती है जिसके कारण अफलन की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है. अतः ऐसे स्थानों पर कीट नियंत्रण के लिए दवा का इस्तेमाल करें.

नवभारत 4 कवर्धा-जिला

कृषि के नए तकनीक को किसानों तक पहुंचाने निर्देश

रायपुर, शुक्रवार, 18 अगस्त 2017

कवर्धा हरिभूमि 17

कृषि विज्ञान केन्द्र का कलेक्टर ने किया अवलोकन

नवभारत कवर्धा-जिला

वैज्ञानिकों ने फसल में बीमारी से बचाव के तरीके किसानों को बताए

कवर्धा-जिला

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया हरियर छत्तीसगढ़, दो हजार पौधों का वितरण

कवर्धा हरिभूमि 15

कृषि विज्ञान केन्द्र ने किया पौध रोपण

नवभारत 3

डालाकापा में ग्रामीणों को पढ़ाया स्वच्छता का पाठ

अभियान

■ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मनाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

नवभारत 4 कवर्धा-जिला

कृषि के नए तकनीक को किसानों तक पहुंचाने निर्देश

बैंगन की 42 प्रजातियां सहेजने वाले शिव को पादप जीनोम संरक्षण कृषक सम्मान

कवर्धापत्रिका 12

अभियान

गांव में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा, निकाली रैली

रैली निकाल दिया संदेश